

आमच घावले घेवई वरिल जाय अडण जाय
कुडण वळ वळ माया दिलई गे केई
सोई उचरी कय। अत! जाय म अजयय
अडम पेवो अम घापी से खालेय निप
पता है। पत्रवळो मय केसल देव विरविल
दण (हो) Am

